विद्याभवन, बालका विद्यापीठ, लखीसराय

विषय- सह-शैक्षणिक गतिविधि वर्ग- तृतीय
विषय-शिक्षिका— नीतू कुमारी दिनांक-***30/04/2021***
N.C.E.R.T. पर आधारित

सुप्रभात बच्चों,

आज की कक्षा में आपको सह- शैक्षणिक गतिविधि के अंतर्गत कहानी पढ़ने दिया जा रहा है।इसे पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें।

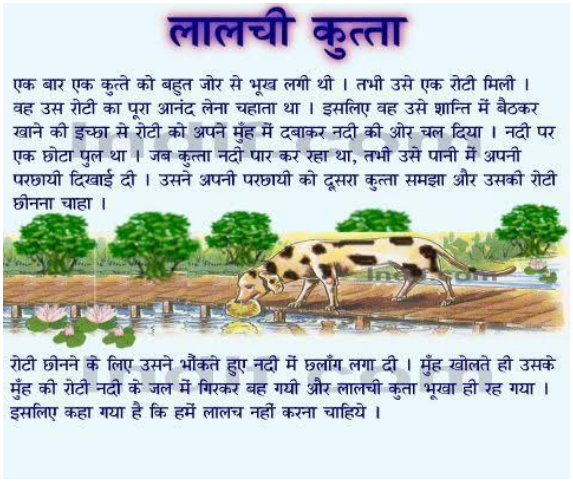

लालची कुत्ता

एक बार एक कुत्ते को बहुत जोर से भूख लगी थी । तभी उसे एक रोटी मिली । वह उस रोटी का पूरा आनंद लेना चहाता था । इसलिए वह उसे शान्ति में बैठकर खाने की इच्छा से रोटी को अपने मुँह में दबाकर नदी की ओर चल दिया । नदी पर एक छोटा पुल था । जब कुत्ता नदी पार कर रहा था, तभी उसे पानी में अपनी परछायी दिखाई दी । उसने अपनी परछायी को दूसरा कुत्ता समझा और उसकी रोटी छीनना चाहा ।

रोटी छीनने के लिए उसने भौंकते हुए नदी में छलाँग लगा दी । मुँह खोलते ही उसके मुँह की रोटी नदी के जल में गिरकर बह गयी और लालची कुत्ता भूखा ही रह गया । इसलिए कहा गया है कि हमें लालच नहीं करना चाहिये ।